

परिशिष्ट - 1सन्दर्भ ग्रन्थ सूची(अ) हिन्दी ग्रन्थ :

- 1- अपभ्रंश भाषा और साहित्य - डॉ० देवेन्द्र कुमार जैन
- 2- अपभ्रंश काव्य परम्परा और विद्यापति - अम्बादत्त पन्त
- 3- अंकुशान और जालीयना - डॉ० कन्हैया लाल सहल
- 4- आर्य ऋषि - जगन्नाथ (ना०प्र० सभा प्रति)
- 5- आदिकालीन हिन्दी साहित्य शोध - डॉ० हरीश
- 6- आदिकालीन हिन्दी साहित्य - डॉ० शम्भूनाथ पाण्डेय
- 7- आदिकाल की प्रागाणिक रचनाएँ - डॉ० गणपति चन्द्र गुप्त
- 8- आदिकाल की भूमिका - श्री पुरश्चोत्तम प्रसाद जासीया
- 9- आदि पुराण - स्वयम्भू
- 10- उत्तर पुराण - पुष्पकन्त
- 11- उपदेश तरंगिणी - काम भट्ट
- 12- उत्तरी भारत की संस्कृत परम्परा - डॉ० परशुराम चतुर्वेदी
- 13- कीर्तिलता - विद्यापति (सं० - डॉ० धनुराम रसोनी)
- 14- कीर्तिलता और अरुणदत्त भाषा - डॉ० शिवप्रसाद सिंह
- 15- काकण्ड चरित - कनकमर
- 16- गद्य सुकुमार राय - (राजस्थान भारत : वर्ष 3 : अंक दो में प्रकाशित)
- 17- गोरख शोध - हि० ए० सम्मेलन प्रयाग
- 18- गोरखनाथ - डॉ० नगेन्द्रनाथ उपाध्याय
- 19- गोरखनाथ और रत्नका युग - डॉ० रणिय राभव
- 20- गोरखबानी - डॉ० पोताम्बर दत्त बड़वाल
- 21- चन्द्र दुर्वीर की यात्रा - हि० ए० सम्मेलन प्रयाग
- 22- चन्दन मलय गिरि यात्रा - हि० ए० सम्मेलन प्रयाग
- 23- चन्देसकालीन कुन्दल ऋषि का इतिहास - डॉ० अयोध्याप्रसाद पाण्डेय
- 24- कन्दानुदेश - श्री रामचन्द्र सूरि

- 25- जसहर चरित - पुष्पदन्त
- 26- जम्बूसामि चरित - सं० - अ० विमलप्रकाश जैन
- 27- जम्बु स्वामी रास - (प्राचीन मरु गुर्जर काव्य संग्रह गायकबाड़ सिरोज सं० 13)
- 28- जैनमरु गुर्जर कवि और उनके रचनाएँ - श्री अण्णरचन्द नाहटा
- 29- जैन भाँक्ष काव्य को पृष्ठभूमि - अ० प्रेमसागर जैन
- 30- जिनदत्त चरित - सं० अ० माता प्रसाद गुप्त
- 31- जिनदर्भ ग्रन्थावली - श्री अण्णरचन्द नाहटा
- 32- डिंगल साहित्य - अ० गोबर्धन शर्मा
- 33- डिंगल साहित्य - अ० जगदम्बा प्रसाद श्रीवास्तव
- 34- डिंगल गीत साहित्य - अ० नारायण सिंह फाटो
- 35- डिंगल में धीर रस - अ० मोतीलाल मेनारिया
- 36- जयदुमार चरित - पुष्पदन्त
- 37- तान्त्रिक जौद्ध साधना और साहित्य - ए० नगेन्द्रनाथ उपाध्याय
- 38- दीहा जीभा - राहुल सद्बुधायन
- 39- दरबारो संस्कृति और हिन्दो संस्कृत - त्रिभुवन सिंह
- 40- धर्म और समाज - अ० राधा कृष्णन
- 41- धर्म दर्शन ग्रन्थावली - अण्णरचन्द नाहटा
- 42- नाथ पंथ और निर्गुण सम्प्रदाय - अ० कीमल सिंह सोलंकी
- 43- नाथ और सन्त साहित्य - अ० नगेन्द्र नाथ गुप्त
- 44- नाथ सम्प्रदाय - अ० धर्मवीर भारती
- 45- नाथ सम्प्रदाय - अ० हजारो प्रसाद द्विवेदी
- 46- नाथ सिद्धों की आन्धियाँ - अ० हजारो प्रसाद द्विवेदी
- 47- नेमन्त्रय रास - ! सुमति गणि सुरि
- 48- परमाल रासो - ना० अ० सभा कशी
- 49- परम चरित - स्वयम्भू
- 50- परम चरित - सं० - जूनोत्तल भयापी
- 51- पदभावत - जागसो
- 52- पंच माँध्व रास - शक्तिमंद्र सुरि
- 53- पाँड़, दोहा - मुनिराम सिंह
- 54- प्राण साकिली - गोरखनाथ

- 55- प्राचीन हिन्दी काव्य - श्री लोमप्रकाश
- 56- प्राकृत पैगलम् - कवि अम्बर
- 57- प्राकृत और अपभ्रंश साहित्य - डॉ० राम सिंह तोमर
- 58- पृथ्वीराज रासी - ना०प्र० समा काशी
- 59- पृथ्वीराज रासी - सं० - डॉ० हजारोप्रसाद द्विवेदी
- 60- पृथ्वीराज रासी में कथानक संक्षेप - वज्रदिलास शैवाक्षतव
- 61- पूल जो पूलमती रो जल - हि० सा० सम्मेलन प्रयाग
- 62- भाहुआले रास - शारोमद्र दुरि
- 63- अदि रास - शलिभद्र दुरि
- 64- डेलि प्रिस्तन रम्पनी रा कही : राठौड़ पृथ्वीराज रो कही : सं०-  
जानन्द प्रसाद दोबित
- 65- बौद्ध किर्तियों के रत्न नीत - पं० परशुराम चतुर्वेदी
- 66- बौद्ध साहित्य की संक्षिप्त इतिहास - पं० परशुराम चतुर्वेदी
- 67- भक्तिरथस्य रत्न - बनमाल
- 68- भारत का शतद्वार - रीमिला अम्बर
- 69- भारतीय दर्शन - डॉ० बलदेव प्रसाद उपाध्याय
- 70- भारतीय गौरव - बैजनाथ सहाय
- 71- महाभारत ( वन पर्व )
- 72- महापुराण - पुष्पदन्त
- 73- महाकवि पुष्पदन्त - डॉ० राजनारायण पाण्डेय
- 74- महावीर प्रथावलो - द्वितीय पुष्प
- 75- मध्यकालीन धर्म साधना
- 76- मिश्र जन्म दिनीद : भाग I
- 77- योगभ्रवाह - डॉ० मोताक्षर दत्त बड़वाल
- 78- राजधानी भाषा और साहित्य - डॉ० मोतीलाल मेनारिया
- 79- राजधानी साहित्य और संस्कृति - मनोहर प्रभाकर
- 80- राजधानी भाषा और साहित्य - डॉ० छीरालाल मोहेश्वरी
- 81- रास एवं रासानन्दयो काव्य : डॉ० दशरथ शर्मा एवं दशरथ जोशी
- 82- राजधानी का जैन साहित्य : श्री जगरचन्द पाट्टा एवं डॉ० कस्तूरचन्द कासलोवाल

- 83- 83- राजस्थानी साहित्य का इतिहास - डा० पुरभी लक्ष्मणदास मेनारिया
- 84- राजस्थानी शब्द कोश
- 85- राजस्थानी दृष्टि . - डॉ० - नरोत्तम दास स्वामी
- 86- राजी साहित्य दिग्दर्श - डा० माताप्रसाद गुप्त
- 87- राजस्थानी साहित्य - प्रगति और परम्परा - डा० सरनाम सिंह शर्मा
- 88- राजस्थानी का इतिहास - जर्नल टॉट
- 89- राजस्थानी का टिगल साहित्य - रवीन्द्रनाथ ठाकुर
- 90- राजस्थानी साहित्य की स्त्रीज्ञा .
- 91- राजस्थानी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डा० नरेन्द्र भानावत
- 92- राजस्थानी साहित्य का गौरवपूर्ण परम्परा - अणुचन्द्र नाहटा
- 93- वीर काव्य - डा० उदयनारायण तिवारी
- 94- वीर कृतार्थ - डा० धुनीतेकुमार जाटव्या
- 95- वीरलदेव राजी - डॉ० - तारकनाथ अग्रवाल
- 96- वीरलदेव राज - डा० माताप्रसाद गुप्त एवं श्री अणुचन्द्र नाहटा
- 97- विद्वत्साहित्य राजा से ज्ञात - डॉ० सा० सम्मेलन प्रयाग
- 98- शैवमत - डा० रघुवंशी
- 99- समाराध - अक्षदेव सूरि
- 100- संस्कृत साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डा० जयकिशन प्रसाद
- 101- संस्कृत वाङ्मय - डा० जलदेवप्रसाद उपाध्याय
- 102- संस्कृत वाङ्मय का विवेचनात्मक इतिहास - डा० सूर्यकांत
- 103- संस्कृत साहित्य का इतिहास - डा० जलदेवप्रसाद उपाध्याय
- 104- संस्कृत साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास
- 105- संस्कृत साहित्य की स्त्रीज्ञा - पं० चन्द्रशेखर पाण्डेय
- 106- साहित्य और संस्कृति - डा० वासुदेव शरण अग्रवाल
- 107- हम्मोर हठ - डॉ० - जगन्नाथ दास
- 108- हिन्दी साहित्य - कोष
- 109- हिन्दी साहित्य का समीक्षामक इतिहास - डा० कृष्णलाल खेर
- 110- हिन्दी साहित्य का उद्भव काल - डा० वासुदेव सिंह
- 111- हिन्दी साहित्य का इतिहास - पं० रामचन्द्र शुक्ल
- 112- हिन्दी साहित्य - डा० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

- 113- हिन्दी साहित्य और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ - डा० गोविन्द राम शर्मा
- 114- हिन्दी साहित्य का वृहद् इतिहास : भाग 1 - ना० प्र० सभा काशी
- 115- हिन्दी साहित्य का आदिकाल - डा० हजारो प्रसाद द्विवेदी
- 116- हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ - डा० शिवकुमार शर्मा
- 117- हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डा० रामकुमार वर्मा
- 118- हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास - डा० उदयनारायण तिवारी एवं  
रामबहारो शुक्ल
- 119- हिन्दी साहित्य का वृहद् इतिहास - भाग 3 - (ना० प्र० सभा काशी)
- 120- हिन्दी जैन भाषा काव्य और कवि - डा० प्रेमसागर जैन
- 121- हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डा० जयप्रियेश प्रसाद लण्डेसवाल
- 122- हिन्दी भाषा काव्य परम्परा - डा० सुमन राजे
- 123- हिन्दी गौर काव्य में रामाजय जीवन की अभिव्यक्ति - डा० राजपाल शर्मा
- 124- हिन्दी के चिकार में अप्रसन्न का योग - डा० नामवर सिंह
- 125- हिन्दी जैन साहित्य का संक्षिप्त इतिहास - श्री कामतप्रसाद जैन
- 126- हिन्दी जैन साहित्य परिचालन : भाग 1 - श्री नेमचन्द्र जैन
- 127- हिन्दी काव्य-धारा - राहुल सद्द्विषायन
- 128- हिन्दी साहित्य की भूमिका - डा० हजारोप्रसाद द्विवेदी
- 129- हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय - डा० पोताम्बरदत्त बड़वाल
- 130- हिन्दी साहित्य का इतिहास - डा० लक्ष्मी सागर वार्पेय
- 131- हिन्दी साहित्य का नया इतिहास - डा० राम जेलावन पाण्डेय
- 132- हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास - डा० उदयनारायण धर द्विवेदी
- 133- हिन्दी के कवि और काव्य - डा० गणेशदत्त द्विवेदी
- 134- हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास - डा० देवोशरण रस्तोगी
- 135- हिन्दी साहित्य के प्राचीन प्रतिनिधि कवि - डा० द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
- 136- हिन्दी और उसके दलाकार - श्री पूरुचन्द जैन
- 137- हिन्दी साहित्य का प्रारम्भिक युग - श्री राजावशीर पाण्डेय
- 138- हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास - राजनाथ शर्मा
- 139- हिन्दी गौर काव्य - टी.एम. सिंह तीमार
- 140- हिन्दी साहित्य का अतीत - विश्वनाथप्रसाद मिश्र

- 141- हिन्दी साहित्य का प्रथम इतिहास - डॉ० सर जार्ज अहम ट्रिपर्सन  
 142- हिन्दी साहित्य में राष्ट्रीय काव्य का विकास - डॉ० क्रान्ति कुमार शर्मा  
 143- हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ० जगदीश प्रसाद श्रेयास्तव  
 144- हिन्दी भारत का अन्त - विन्तामणि विनायक वदय

(ब) संस्कृत ग्रन्थ :

- 1- अभिमान शाकुन्तलम्  
 2- कथायां मन्दिर स्तोत्र  
 3- राजतरंगिणी  
 4- ऋग्वेद  
 5- भाद्रपथ पुराण  
 6- साहित्य - अर्पण

(घ) हिन्दी ग्रन्थ :

- 1- हण्डयन स्पटीयेरा  
 2- हण्डयन लीखारय्य : भाग 1  
 3- इन्साइक्लोपीडिया आफ रिजोजन स्पेड सयिक : भाग 6  
 4- ए हिस्ट्री आफ हण्डयन लिटरेचर : वाल्युम 2 : युनिवर्सिटी आफ कलकत्ता  
 5- ए एर्दे आफ गुड्डेज्म - एडिशन 3  
 6- द हिरोइक एज आफ एण्डिया - एन०के०सिद्धान्त  
 7- दिग्रमालि देव चरितः इन इट्स इस्टारिकल सेटिंग  
 8- हिस्ट्री आफ इण्डिया - डॉ० वशी प्रसाद

(ङ) पत्र - पत्रिका :

- 1- नागरी प्रचारिणी पत्रिका  
 2- श्री० एच० यू० जर्नल : भाग 1  
 3- मार्क्स रिव्यू ( 1938 )  
 4- हिन्दी अनुसूचन : वर्ष 7 : अंक 3